रात्रि सत्संगों में नियमित पारायण एवं प्रार्थनाओं के अतिरिक्त प्रथम दिन श्रीमती नवनीत चटर्जी और श्री रघुनाथ भट्टाचार्य ने अत्यन्त सुमधुर भजन प्रस्तुत किये। दूसरे दिन सुश्री दीप्तिमयी साहू (ब्रह्मपुर) ने ओडिशी नृत्य की भेंट, सद्गुरुदेव के श्रीचरणों में समर्पित की। तीसरे दिन भोपाल के श्री सूर्यनारायण राव जी एवं परिवार द्वारा भजनांजलि समर्पित की गयी। ऋषिकेश के श्री विजेन्द्र वर्मा जी एवं श्री पंकजदास जी ने चौथे और छठे दिन अपने मनमोहक संगीत की प्रस्तुति द्वारा साधक-भक्तों को आह्लादित किया। पाँचवें और सातवें दिन मुख्यालय शिवानन्द आश्रम के संन्यासियों एवं ब्रह्मचारियों द्वारा भजन-कीर्तन समर्पित किये गये। सातवें दिन के समापन सत्र में परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज, परम पूज्य श्री स्वामी योगस्वरूपानन्द जी महाराज, परम पूज्य श्री स्वामी निर्लिप्तानन्द जी महाराज तथा परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज ने साधकों को अपने बहुमूल्य उपदेशों द्वारा आशीर्वादित किया। ज्ञान प्रसाद एवं विशेष प्रसाद सहित साधना-सप्ताह समाप्त हुआ।

सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज की ५२ वीं पावन पुण्यतिथि आराधना का पावन दिवस ८ अगस्त २०१५ को अत्यन्त श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम प्रातः ४.३० बजे, ब्राह्ममुहूर्त प्रार्थना एवं

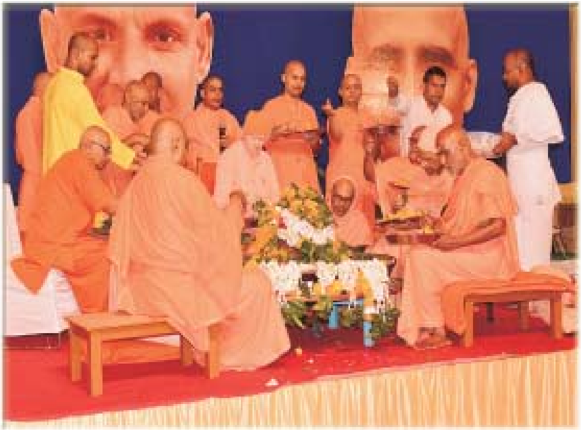

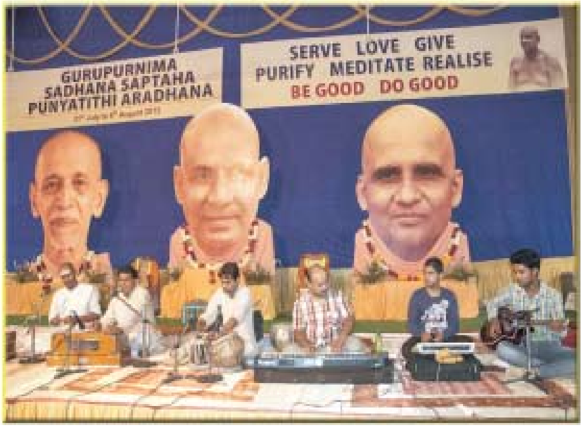

ध्यान सत्र से हुआ। परम पूज्य श्री स्वामी योगस्वरूपानन्द जी महाराज ने अपने प्रवचन में सब भक्तों के ऊपर आशीर्वाद एवं कृपावृष्टि के लिए सद्गुरुदेव का आह्वान करते हुए, सभी को इस पावन दिवस पर सत्य, प्रेम एवं शुचिता से सम्पन्न दिव्य जीवन जीने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। आश्रम यज्ञशाला में विश्व-शान्ति एवं मानव-कल्याण हेतु विशेष हवन भी सम्पन्न किया गया।

पूर्वाह्न सत्र में, पावन समाधि मन्दिर में सद्गुरुदेव की पूजा तथा 'ऑडिटोरियम' में सद्गुरुदेव की पादुकाओं की पूजा तथा 'ॐ नमो भगवते शिवानन्दाय' मन्त्र जप के उच्चारण सहित लक्षार्चना की गयी।

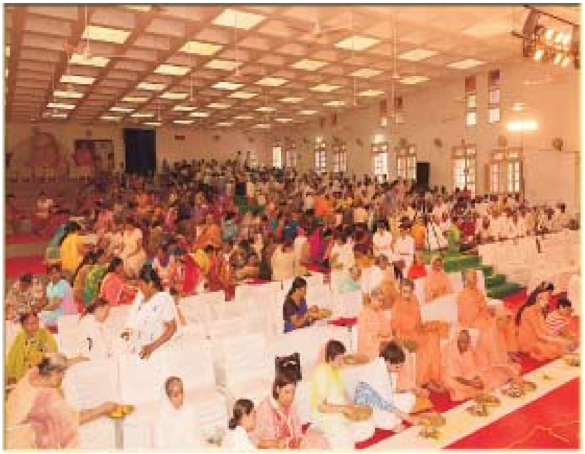

परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में सबको मानव-जन्म के परम लक्ष्य का स्मरण दिलाते हुए, इसे प्राप्त करने हेतु दिव्य जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित किया। इस पावन अवसर पर ४ पुस्तकें और २ सीडी भी विमोचित की गयीं। अपराह्न सत्र में भक्तों ने भजन प्रस्तुत किये तथा सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज के जीवन एवं शिक्षाओं पर अपने विचार भी प्रस्तुत किये।

सायंकाल में आश्रम के विश्वनाथ घाट पर माँ गंगा की आरती सहित, श्री गुरुदेव की मधुर स्मृति के रूप में, विशेष पूजा की गयी। रात्रि सत्संग में सुमधुर भजनों के रूप में भक्तों ने सद्गुरुदेव को अपनी श्रद्धांजलि समर्पित की। डीवीडी के माध्यम से सद्गुरुदेव के पावन दर्शन करने का सौभाग्य भी भक्तों को प्राप्त हुआ। समस्त कार्यक्रम आरती एवं पावन प्रसाद वितरण सहित समाप्त हुआ।

परम पिता परमात्मा एवं सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज की कृपावृष्टि सब पर हो!

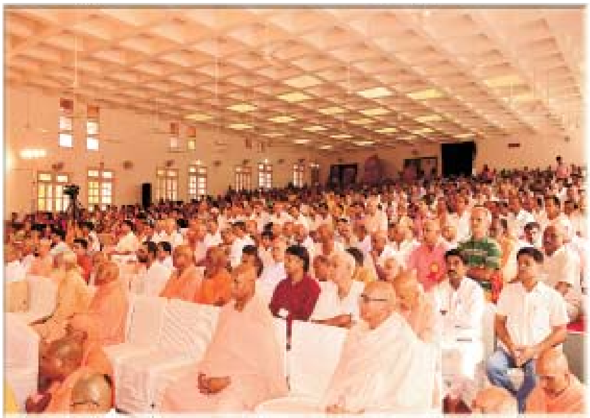

स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

आन्ध्र प्रदेश

परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव के परम पुनीत अवसर के उपलक्ष्य में, डी एल एस काकीनाडा-माधवपत्तनम् शाखा ने ५ जुलाई २०१५ को एक विशेष सत्संग आयोजित किया। आर्ष विद्या कुटीर, हैदराबाद के पूज्य श्री स्वामी तत्त्वविदानन्द सरस्वती जी महाराज ने अपने आशीर्वचनों द्वारा कार्यक्रम को आशीर्वादित किया तथा 'दिव्य भजन संग्रहम्' नामक पुस्तक का विमोचन किया।

दिल्ली

डी एल एस वसन्त विहार शाखा नई दिल्ली द्वारा स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव के तत्त्वावधान में २२ अगस्त २०१५ को द्वारका, सैक्टर ९, नई दिल्ली में एक सत्संग का आयोजन किया। परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज इस सत्संग में सम्मिलित हुए तथा श्रीमद्भागवत महापुराण के 'कपिल-देवहुति संवाद' के विषय में अपने प्रवचनों द्वारा भक्तों को आशीर्वादित किया।

हरियाणा

परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव के कार्यक्रमों के एक अंग के रूप में, डी एल एस कृष्ण मन्दिर, गुड़गाँव शाखा द्वारा २२ अगस्त की सायं को एक विशेष सत्संग आयोजित किया गया। परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज शाखा में गये तथा सत्संग में 'हाउ टू लीड डिवाइन लाइफ' (दिव्य जीवन कैसे जीयें) विषय पर अपने प्रवचनों द्वारा भक्त-समुदाय को निर्देशित किया। श्री स्वामी श्रीधरानन्द जी तथा श्री स्वामी भक्तिभावानन्द जी श्री स्वामी जी महाराज के साथ गये थे तथा वे भी सत्संग में सम्मिलित हुए। श्री स्वामी जी महाराज ने शाखा के नव-निर्मित 'सत्संग-हाल' का २३ अगस्त को उद्घाटन किया।

सर्वशक्तिमान् परमात्मा, सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज तथा परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के आशीर्वाद सब पर हों!